

<p>וְמִבֵּט אַתָּה שֶׁ מִאַתְּחָרְיוֹ וְנַחֲנִינִיב גַּלְוָה:</p> <p>וַיִּשְׂכַּם אֶבְרָהָם בְּבָקָר אַלְמָנָה זָוָם אֲשֶׁר-עָמָד שְׁם אֶת-פָּנָיו יְהֹוָה:</p> <p>וַיִּשְׁלַח עַל-פָּנָיו סְלָמָן וְעַמְרָה וְעַל-כָּל-פָּנָיו אֶרְזָה הַכְּבָר וְנַרְאָה וְתַגְנָה עַלְהָה קִיטָּר הַאֲרָז כְּקִיטָּר הַכְּבָשָׂן:</p> <p>וַיַּחֲזַק אֶל-הַדָּימָם אֶת-עַרְיוֹ הַכְּבָר וְיַצְּפָר אֲלָמָּים אֶת-אֶבְרָהָם וַיַּחֲלֹל אֶת-לִلְוָת מִתּוֹךְ הַקְּפָלָה בְּקַפְּלָה אֶת-הַעֲרִים אֲשֶׁר-יַעֲשֵׂב בְּהַן לֹט:</p> <p>וַיַּעֲלֵל לֹט מִצְׁעָר וַיַּשְׁבַּב בְּהָר וְשַׁתִּי בְּנוֹתָיו עַמְוֹד כִּי יְהָא לְשַׁבַּת בְּאַזּוּר וַיַּשְׁבַּב בְּעַרְבָּה הַוָּא וְשַׁתִּי בְּנוֹתָיו:</p> <p>וְאַמְרָה 31 אַל-הַצְּעִירָה אֶבְרָהָם וְאַיִשְׁ אַיִן בְּאַרְזָה לְבָוָא עַלְיָינוּ כְּרָרָה כְּלַחֲרָץ:</p> <p>לְכָה נַשְׁקָה 32 אֶת-אֶבְרָהָם יְהָוָה וְנַשְׁקָה עַמְנוֹז וְנַחֲנִינִיב אֶבְרָהָם גַּרְעָן:</p>	<p>26 καὶ ἐπέβλεψεν ἡ γυνὴ αὐτοῦ εἰς τὰ ὄπισθι καὶ ἐγένετο στήλη ἀλόξ.</p> <p>27 Ωρθισεν δὲ Αβρααμ τὸ πρωῒ εἰς τὸν τόπον, οὗ είστηκει ἐναντίον κυρίου, 28 καὶ ἐπέβλεψεν ἐπὶ πρόσωπον Σοδομῶν καὶ Γομορρᾶς καὶ ἐπὶ πρόσωπον τῆς γῆς τῆς περιχώρου καὶ εἶδεν, καὶ ἴδου ἀνέβαινεν φλὸξ τῆς γῆς ὥσει ἀτμὸς καμίνου. 29 καὶ ἐγένετο ἐν τῷ ἐκτρῖψαι κύριον πάσας τὰς πόλεις τῆς περιοίκου ἐμνήσθη ὁ θεός του Αβρααμ καὶ ἐξαπέστειλεν τὸν Λωτ ἐκ μέσου τῆς καταστροφῆς ἐν τῷ καταστρέψαι κύριον τὰς πόλεις, ἐν αἷς κατώκει ἐν αὐτοῖς Λωτ.</p> <p>30 Ἀνέβη δὲ Λωτ ἐκ Σηγωρ καὶ ἐκάθητο ἐν τῷ ὅρει καὶ αἱ δύο θυγατέρες αὐτοῦ μετ’ αὐτοῦ ἐφοβήθη γάρ κατοικῆσαι ἐν Σηγωρ. καὶ ῳκησεν ἐν τῷ σπηλαίῳ, αὐτὸς καὶ αἱ δύο θυγατέρες αὐτοῦ μετ’ αὐτοῦ.</p> <p>31 εἶπεν δὲ ἡ πρεσβυτέρα πρὸς τὴν νεωτέραν Ὡ πατήρ ἡμῶν πρεσβύτερος, καὶ οὐδείς ἐστιν ἐπὶ τῆς γῆς, δις εἰσελεύσεται πρὸς ἡμᾶς, ὃς καθήκει πάσῃ τῇ γῇ.</p> <p>32 δεῦρο καὶ ποτίσωμεν τὸν πατέρα ἡμῶν οἴνον καὶ κομιηθῶμεν μετ’ αὐτοῦ καὶ ἐξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σπέρμα.</p> <p>32 Dixitque major ad minorem : Pater noster senex est, et nullus virorum remansit in terra, qui possit ingredi ad nos juxta morem universæ terræ.</p> <p>32 Veni, inebriemus eum vino, dormiamusque cum eo, ut servare possimus ex patre nostro semen.</p>	<p>26 Respiciensque uxor eius post se, versa est in statuam salis.</p> <p>27 Abraham autem consurgens mane, ubi steterat prius cum Domino,</p> <p>28 intuitus est Sodomam et Gomorrah, et universam terram regionis illius : viditque ascendentem favillam de terra quasi fornacis fumum.</p> <p>29 Cum enim subverteret Deus civitates regionis illus, recordatus Abrahæ, liberavit Lot de subversione urbium in quibus habitaverat.</p> <p>30 Ascenditque Lot de Segor, et mansit in monte, duæ quoque filiæ ejus cum eo (timuerat enim manere in Segor) et mansit in spelunca ipse, et duæ filiæ ejus cum eo.</p> <p>31 Dixitque major ad minorem : Pater noster senex est, et nullus virorum remansit in terra, qui possit ingredi ad nos juxta morem universæ terræ.</p> <p>32 Veni, inebriemus eum vino, dormiamusque cum eo, ut servare possimus ex patre nostro semen.</p>
--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

<p>וְפִשְׁקִין אֶת־אָבִינוּן 33 יְמִינֵּנוּ בְּלִילָה הַוָּא וְתָבָא כְּבָכִירָה וְתָשָׁבָב אֶת־אָבִינוּן וְלֹא־יָגַע בְּבָבָה וְבָבָה וְבָבָה: נִיהַי מְנֻמָּרָת 34 וְתָאַמֵּר כְּבָכִירָה אֶל־הָצָעִירָה שְׂדֵשׁ כְּבָתָה אֲמָגָּן אֶת־אָבִינוּן שְׁבָבָה יְמִינֵּנוּ גָּמִיד־הָלִילָה וְבָאֵי שְׁכָבָי וְמָנוּחָה מְאַבָּינוּן רָעָה:</p> <p>וְפִשְׁקִין גָּם בְּلִילָה 35 הַוָּא אֶת־אָבִינוּן יְמִינֵּנוּ כְּבָכִירָה וְתָשָׁבָב הָצָעִירָה וְלֹא־יָגַע בְּבָבָה: נִיהַי מְנֻמָּרָת 36 בְּנוֹת־לֹט מְאַבָּינוּן: וְתָלַד כְּבָכִירָה בְּנוּן 37 וְקָרָא מָנוֹשׁ מְאַבָּה הַוָּא אֲבִימָזָב עַד־הַיּוֹם: נִיהַי מְנֻמָּרָת 38 בְּנוֹת־עַמִּי קָרָא אֲבִי בְּנוֹת־עַמִּי קָרָא אֲבִי בְּנוֹת־עַמִּי עַד־הַיּוֹם: ס</p>	<p>33έπότισαν δὲ τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ, καὶ εἰσελθοῦσα ἡ πρεσβυτέρα ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς τὴν νύκτα ἐκείνην, καὶ οὐκ Ἇδει ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτὴν καὶ ἀναστῆναι.</p> <p>34ἔγενετο δὲ τῇ ἐπαύριον καὶ εἶπεν ἡ πρεσβυτέρα πρὸς τὴν νεωτέραν Ἰδού ἐκοιμήθην ἐχθὲς μετὰ τοῦ πατρὸς ἡμῶν· ποτίσωμεν αὐτὸν οἶνον καὶ τὴν νύκτα ταύτην, καὶ εἰσελθοῦσα κοιμήθητι μετ' αὐτοῦ, καὶ ἔξαναστήσωμεν ἐκ τοῦ πατρὸς ἡμῶν σπέρμα.</p> <p>35έπότισαν δὲ καὶ ἐν τῇ νυκτὶ ἐκείνῃ τὸν πατέρα αὐτῶν οἶνον, καὶ εἰσελθοῦσα ἡ νεωτέρα ἐκοιμήθη μετὰ τοῦ πατρὸς αὐτῆς, καὶ οὐκ Ἇδει ἐν τῷ κοιμηθῆναι αὐτὴν καὶ ἀναστῆναι.</p> <p>36καὶ συνέλαβον αἱ δύο θυγατέρες Λωτ ἐκ τοῦ πατρὸς αὐτῶν.</p> <p>37καὶ ἐτεκεν ἡ πρεσβυτέρα νίὸν καὶ ἐκάλεσεν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Μωαβ λέγουσα Ἐκ τοῦ πατρός μου· οὗτος πατήρ Μωαβίτων ἔως τῆς σήμερον ἡμέρας.</p> <p>38ἐτεκεν δὲ καὶ ἡ νεωτέρα νίὸν καὶ ἐκάλεσεν τὸ ὄνομα αὐτοῦ Αμμαν νίὸς τοῦ γένους μου· οὗτος πατήρ Αμμανίτων ἔως τῆς σήμερον ἡμέρας.</p>	<p>33Dederunt itaque patri suo bibere vinum nocte illa. Et ingressa est major, dormivitque cum patre ; at ille non sensit, nec quando accubuit filia, nec quando surrexit.</p> <p>34Altera quoque die dixit major ad minorem : Ecce dormivi heri cum patre meo, demus ei bibere vinum etiam hac nocte, et dormies cum eo, ut salvemus semen de patre nostro.</p> <p>35Dederunt etiam et illa nocte patri suo bibere vinum, ingressaque minor filia, dormivit cum eo : et ne tunc quidem sensit quando concubuerit, vel quando illa surrexerit.</p> <p>36Conceperunt ergo duae filiae Lot de patre suo.</p> <p>37Peperitque major filium, et vocavit nomen ejus Moab : ipse est pater Moabitarum usque in præsentem diem.</p> <p>38Minor quoque peperit filium, et vocavit nomen ejus Ammon, id est, Filius populi mei : ipse est pater Ammonitarum usque hodie.</p>
------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------